राजस्थान दविस 2023

चर्चा में क्यों?

30 मार्च, 2023 को राजस्थान का 74वाँ स्थापना दविस मनाया गया। आज ही के दनि 30 मार्च, 1949 को सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर में एक समारोह में वृहद् राजस्थान का उद्घाटन कयिा था।

प्रमुख बदिु

- गौरतलब है कि 14 जनवरी, 1949 को उदयपुर की एक सार्वजनकि सभा में सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर रयिासतों के सैद्धांतकि रूप से वलिय की घोषणा की थी।
- इस घोषणा को मूर्त रूप देने के लयि सरदार वल्लभ भाई पटेल ने जयपुर में 30 मार्च, 1949 को एक समारोह में वृहद् राजस्थान का उद्घाटन कयिा था, इसलयि राजस्थान दविस हर वर्ष तीस मार्च को मनाया जाता है।
- आज़ादी से पहले राजस्थान को 'राजपूताना'के नाम से जाना जाता था। इतिहासकारों का मानना है कि जार्ज थॉमस ने साल 1800 ईसा में 'राजपूताना'नाम दयिा था। इतिहासकारों का दावा है कि कर्नल जेम्स टॉड ने इस राज्य का नाम राजस्थान रखा। स्थानीय साहत्यिकि भाषा में राजाओं के नविास प्रांत को राजस्थान ही कहा जाता था।
- आज़ादी के वक्त राजस्थान में कुल 22 रयिासतें थी। वर्तमान राजस्थान में तत्कालीन 19 देसी रयिासतों में राजाओं का शासन हुआ करता था। जबकि, तीन रयिासतों (नीमराना, लव और कुशालगढ़) में चीफशपि थी। यहाँ के अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत पर ब्रटिशि शासकों का राज था।
- तत्कालीन रयिासतों के वलिय की प्रक्रयिा 18 मार्च, 1948 से एक नवंबर 1956 तक चली। इस प्रक्रयिा को सात चरणों में पूरा कयिा गया था।
- भारत सरकार ने अफजल अली के नेतृत्व में गठति राज्य पुनर्गठन आयोग की सफिारशि पर ब्रटिशि शासति अजमेर-मेरवाड़ा प्रांत का 1 नवंबर, 1956 को राजस्थान में वलिय कर लयिा।
- इस दौरान ही मध्य प्रदेश की मंदसौर तहसील के गाँव सुनेलटप्पा को भी राजस्थान में शामलि कयिा गया। जबकि, राजस्थान के झालावाड़ ज़लि के गाँव सरिोंज को मध्य प्रदेश में शामलि कयिा गया।
- भारत सरकार की गठति राव समति कि सफिारशिों के आधार पर 7 सतिंबर, 1949 को जयपुर को राजस्थान राज्य की राजधानी बनाया गया।
- राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसका क्षेत्रफल तीन लाख 42 हज़ार 239 वर्ग कलिोमीटर है। यह देश का 1/10 भूभाग है।
- 2011 जनगणना के अनुसार राजस्थान की जनसंख्या 6.89 करोड़ है, जो कि भारत की जनसंख्या का 5.66 प्रतशित है। जनसंख्या के अनुसार ये देश में सातवें स्थान पर है।
- राजस्थान में अभी तक सात संभाग और 33 ज़लि थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 18 मार्च, 2023 को दो ज़लिों का वलिय करते हुए 19 नए ज़लि और तीन नए संभाग के गठन की घोषणा की। इसके बाद से अब राजस्थान में कुल 10 संभाग और 50 ज़लि हो गए हैं। हालाँकि नए ज़लिों और संभागों का नोटफिकिशेन अभी जारी नहीं हुआ है।
- राजस्थान पड़ोसी देश पाकसि्तान से सटा हुआ है। उसके साथ इसकी 1,070 कलिोमीटर की अंतर्राष्ट्रीय सीमा लगती है। राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर ज़लिों की सीमाएँ पाकसि्तान की अंतर्राष्ट्रीय सीमा से लगती हैं। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे जैसलमेर ज़लि में कुलधरा गाँव सबसे पुराना गाँव है। माना जाता है कि यह गाँव 200 साल से वीरान है।
- राजस्थान की 4850 कलिोमीटर सीमा देश के दूसरे राज्यों से मलिती है जनिमें पंजाब, हरयिाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात राजस्थान के सीमावर्ती राज्य हैं।
- पर्यटन के नक्शे में राजस्थान की वशिष पहचान है। यहाँ दर्जनों ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जहाँ रोज़ाना हज़ारों की संख्या में देसी-वदिशी पर्यटक आते हैं। वहीं धोरों की धरती जैसलमेर की अपनी अलग पहचान है। वहाँ हचिकोले खाते पर्यटक ऊँटों की सवारी का आनंद लेते देखे जा सकते हैं। झीलों की नगरी उदयपुर हो या पकि सटिी जयपुर, पर्यटन की दृष्टि से यहाँ कई दर्शनीय स्थान हैं।
- राजस्थान में कई कलि हैं, इनमें 13 प्रमुख हैं। इनमें जयपुर का आमेर और जयगढ़ कलिा, जोधपुर का मेहरानगढ़ कलिा, राजसमंद का कुंभलगढ़ कलिा, सवाई माधोपुर का रणथंभोर कलिा, बीकानेर का जूनागढ़ कलिा, भरतपुर का लोहागढ़ कलि की दुनयिाभर में पहचान है। अन्य कलिों और महलों में गागरौन कलिा, जैसलमेर, सरिोही का अचलगढ़, नागौर का अहछित्रगढ़, जालौर दुर्ग, सरिोही का खमिसर कलिा, अलवर का नमिराणा कलिा, सटिी पैलेस आदि भी प्रसद्धि हैं। अभेद्या कलिों के साथ रानयिों के रहने के लयि आलीशान महल भी बने हुए थे।
- राजस्थान, पृथ्वी राज चौहाण, महाराणा प्रताप, राणा सांगा, राणा कुंभा जैसे शूरवीरों के इतिहास को सहेजे हुए है। देश-दुनयिा में राजस्थान को वीरों की धरती से ही पहचाना जाता है। हल्दी घाटी का युद्ध, चत्तिौड़, खानवा, तराइन, रणथंभौर के युद्ध राजस्थान की धरती पर ही हुए।
- वर्तमान समय में भारतीय सेना में राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र (सीकर, झुंझुनू और चूरू) से बड़ी संख्या में युवा हैं। देश सेवा के लयि राजस्थान के शेखावाटी से सर्वाधकि युवा सेना में जाते हैं।

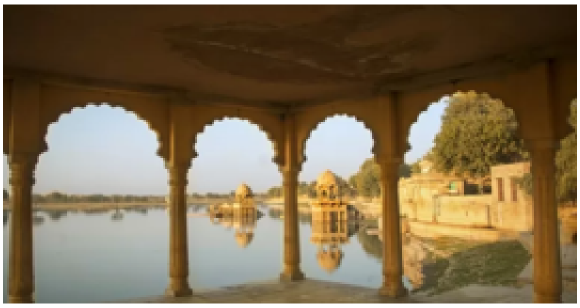

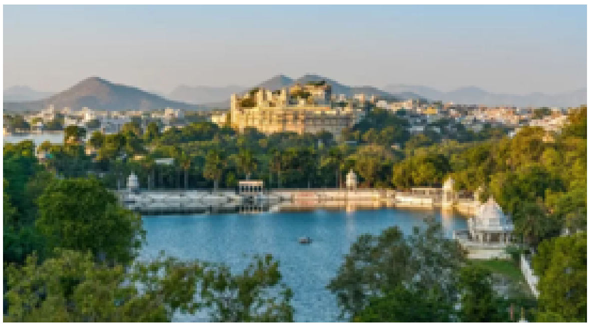

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-day-2023